कोर्ट सजा दे सकती है, कोर्ट नौकरी से निकालने की सजा भी दे सकती है और कोई सजा भी दे सकती है । जब कोर्ट के अन्दर कोई मुकदमा जल रहा है, उसके पहले कोई डिपार्टमेंटल कार्यवाही की जाये, यह कोई उचित बात है। . . (व्यवधान) . .

श्री एन० के० शेजवलकर : मैं आपकी प्रोटेक्शन चाहता हूं । जो हाउस में सवाल पूछे जा रहे हैं, उनका जवाब मंत्री जी दें । ऐसी चीजें तो साधारण आदमी भी जानता है ।

अध्यक्ष महोदय : आपको पास भेज देंगे ।

श्री निहाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, सभा पटल पर जो यह विवरण रखा गया है, यह केवल 1980-81 का है । इसके पहले कितने लोग तस्करी में थे, इसका विवरण नहीं है । जो पकड़े गये हैं, उनका विवरण है और जो नहीं पकड़े गये, वे कितने हैं, यह नहीं मालूम है । जब कर्मचारी ही तस्करी में लिप्त हों, तो जो दूसरे तस्कर हैं, वे कितनी तस्करी करते होंगें, इसकी कल्पना की जा सकती है । मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि आगे भविष्य में जो कर्मचारी तस्करी में पकड़े जायेंगे, उनको तुरन्त नौकरी से बर्खास्त करने के लिये क्या वे कोई कार्यवाही करेंगे ?

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : जो पकड़े जायेंगे, उनके खिलाफ ही कार्यवाही करेंगे । जो नहीं पकड़े जायेंगे, उनके खिलाफ कैसे कार्यवाही होगी, यह बड़ा अजीब प्रश्न आप पूछ रहे हैं । जो लोग इस तरह का काम करते पकड़े जायेंगे, उनके खिलाफ ही कार्यवाही होगी ।

SHRI SOMNATH CHATTERJEE: May I know from the hon. Minister. .(*Interruptions*).

SHRI A.P. SHARMA: Let me complete my answer to the hon. Member's question. I have not completed it .

इनके प्रश्न का दूसरा हिस्सा यह है कि आगे जो पकडे जायेंगे उनके खिलाफ क्या कोई कार्यवाही की जायेगी। मैं इनको आश्वस्त करना चाहता हूं कि जो आगे पकडे जायेंगे, उनके खिलाफ उचित कार्यवाही की जायेगी ।

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

पूर्वोत्तर क्षेत्र में विदेशी पर्यटकों के प्रवेश पर रोक

*26. **श्री चन्द्र पाल शैलानी :** क्या **पर्यटन और नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पूर्वोत्तर क्षेत्र में विदेशी पर्यटकों के प्रवेश पर रोक केन्द्र सरकार द्वारा किस तारीख से लगाई गई है और उसके क्या कारण हैं ;

(ख) क्या पिछले कुछ महीनों में गोहाटी स्थित भारतीय पर्यटन कार्यालय ने केन्द्र सरकार को प्रस्ताव भेजा था कि पूर्वोत्तर क्षेत्र के कुछ भाग विदेशी पर्यटकों के लिए खोल दिये जायें ; और

(ग) यदि हां, तो इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है और उसकी मुख्य बातें क्या हैं ?

पर्यटन और नागर विमानन मंत्री (श्री अनन्त प्रसाद शर्मा) : (क) पूर्वोत्तर क्षेत्र के पर्यटक महत्व के स्थानों में सदाशयी विदेशी पर्यटकों के प्रवेश

पर कोई रोक नहीं है । तथापि, प्रतिबन्धित एवं संरक्षित क्षेत्रों में प्रवेश करने से पहले उन्हें सक्षम प्राधिकारी से स्पेशल परमिट लेना होता है ।

(ख) और (ग) : पर्यटक कार्यालय, गोहाटी, ने इस संबंध में कुछ कार्य पद्धतियों को उदार बनाने के लिए एक प्रस्ताव भेजा है । इस प्रस्ताव की सरकार द्वारा जांच की जा रही है ।

Export Target

*27. SHRI SURYA NARAYAN SINGH:
SHRI KAMLA MISHRA MADHUKAR:

Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the real exports during the year 1981-82 were less than the target fixed for the year;

(b) if so, the details and reasons for the low rate of exports;

(c) what is the target fixed for the current year; and

(d) what steps are being taken to attain the target?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI SHIVRAJ V. PATIL): (a) As against the tentative export target of Rs. 8400 crores in 1981-82 India's over-all exports according to available information during the year 1981-82 provisionally amounted to Rs. 7557.47 crores. This figure when compared with the corresponding provisional figure of the previous year shows a rise of about 13.3 per cent, as against 4 per cent during 1980-81.

(b) The adverse Trading Environment, in overseas market continues to be a major constraint on the growth of our exports in the wake of persistent recession and various tariff and non-tariff barriers imposed by the developed countries against the goods of the developing country like India.

Growth rate of exports during 1981-82 would have been still higher but for the fact that the international prices in respect of our major traditional exports like plantation, Spices and Jute Manufacturers witnessed a considerable decline during 1981-82.

(c) The export target for current financial year 1982-83 is provisionally placed at Rs. 8650 crores.

(d) In the course of last two years, several measures have been taken by the Government to promote export. These include removal of licensing constraints on export production, setting up of 100 per cent export oriented units, establishment of EXIM Bank, simplification and streamlining of procedures and extension of certain fiscal concessions on exports.

The Import-Export Policy for 1982-83 is designed to achieve increase in production with special emphasis on exports. The major objectives of the policy are:—

(1) To see that industries get easier access to required inputs.

(2) To give special attention to export production.

(3) To remove or reduce import licensing formalities.

(4) To give strong thrust for upgradation of technology.

(5) To introduce measures which will further assist the small scale industrial units; and

(6) To improve the competitiveness and efficiency of our industries, policy measures for increasing exports are constantly reviewed and efforts are being made to remove constraints operating on export promotion.

Drinking Water|Soft Drinks in Arrival Hall of Delhi Airport

*28. SHRI AJOY BISWAS: Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the International Delhi airport has no provision